ब्रह्मा कुमारीज़-युवा प्रभाग के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में

अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव

(All India Peace Painting Festival)

'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार'

प्रोजेक्ट का विवरण		2
लक्ष्य एवं उद्देश्य		3
सरकारी सहयोग		3
उद्घाटन के लिए महानुभाव		3
अन्य ध्यान रखने योग्य बातें		4
कुछ प्रश्न		4
प्रचार के तरीके एवं माध्यम		4
पेम्पलेट के लिए सामग्री	अनुसूची-1	5
उद्घाटन कार्यक्रम	अनुसूची-2	7
प्रेस नोट के लिए पत्र	अनुसूची-3	8
प्रेस नोट-1	अनुसूची-4	9
प्रेस नोट-2	अनुसूची-5	10
प्रेस नोट-3	अनुसूची-6	11
पुलिस परमिशन के लिए पत्र	अनुसूची-7	12
म्यूनिसिपल कमिश्नर के लिए पत्र	अनुसूची-8	13

ब्रह्मा कुमारीज़-युवा प्रभाग के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में

अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव

(All India Peace Painting Festival)

'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार'

दिन एवं दिनांक: 12 जनवरी / 18 जनवरी / 26 जनवरी, 2010 (या किसी विशेष कारणवश अन्य किसी तिथि पर)

क्षेत्र: प्रत्येक राज्य की राजधानी, अन्य बड़े शहर एवं सर्व इच्छुक शहर/कस्बें

समय: प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक (कम से कम 2 घंटे)

स्थान: शहर का सुप्रसिद्ध स्थान

कैनवास की लम्बाई-चौड़ाई (फीट में): कम से कम 161 फीट लम्बा एवं 4 फीट चौड़ा

विश्व रिकॉर्ड: 2 अक्टूबर, 2009 को गुजरात के बड़ौदा शहर में 4,333 मीटर लंबे कैनवास पर 221 स्कूलों के 8,130 बच्चों ने मिलकर पेन्टिंग किया। यह पेन्टिंग विश्व की सबसे लंबी पेन्टिंग मानी जा रही है। दो घंटे तक चली इस पेन्टिंग का लक्ष्य Traffic Awareness को लाना था। बच्चों ने विभिन्न Traffic Issues के ऊपर पेन्टिंग किया। इस पेन्टिंग में 1500 लीटर पेन्ट का प्रयोग हुआ। 25 NGOs ने इसमें सहयोग किया। आप भी अपने शहर में इससे बड़े कैनवास पर पैन्टिंग करवाकर यह विश्व रिकॉर्ड बनाकर 'गिनिज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में आप अपना नाम दर्ज करवा सकते हैं।)

रचनाएं: शान्ति से सम्बन्धित कोई भी चित्र, स्लोगन, स्कैच, नारा, मॉडर्न आर्ट

विषय : शान्ति का चित्रांकन करने के लिए निम्नलिखित बिन्दुओं पर आधारित पेन्टिंग बनाई जा सकती है –

01. शान्ति के प्रतीक (जैसे, कबूतर आदि)
02. शान्ति प्रेरक स्लोगन
03. शान्ति सन्देश
04. शान्तिपूर्ण परिवार का चित्रांकन
05. स्वयं में शान्ति का अनुभव
06. शान्तिपूर्ण, आनन्दपूर्ण मानव जीवन
07. शान्तिमय प्राकृतिक सौन्दर्य
08. शान्तिपूर्ण संसार की छवि
09. विश्व में शान्ति के विभिन्न स्वरूप
10. शान्तिदूत / शान्ति संदेशवाहक आदर्श महापुरुष
11. शान्ति का सौन्दर्य
12. शान्ति का शुभकामना कार्ड
13. शान्ति के अनन्त स्त्रोत परमात्मा का चित्रांकन
14. समाज के विभिन्न क्षेत्रों में शान्ति
15. अशान्त विश्व से शान्त विश्व की ओर
16. शान्ति स्थापन करने में मेरा योगदान
17. अशान्ति से शान्ति की ओर
18. शान्ति के इंद्रधनुषी रंग
19. We want peace, not pieces.

प्रतिभागी: इस महोत्सव में भाग लेने वाले विशेषकर 13 से 40 वर्ष वाले युवा होंगे। अन्य इच्छुक व्यक्ति चाहे वे किसी भी उम्र के हो, भाग ले सकते हैं।

सर्टिफीकेट: जिस स्थान की रचना नया विश्व किर्तीमान बनाकर 'गिनीज़ बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में स्थान प्राप्त करती है उस स्थान के सभी प्रतिभागियों को सर्टिफीकेट दिया जाएगा।

लक्ष्य एवं उद्देश्य:

1) शान्ति के मनोभावों की अभिव्यक्ति का सशक्त माध्यम प्रदान करना।
2) वैयक्तिक शान्ति से वैश्विक शान्ति की स्थापना करना।
3) शान्तिपूर्ण सोच के लिए अन्तर्चेतना को जागृत करना।
4) शान्ति की श्रेष्ठ भावना का प्रचार-प्रसार करना।
5) शान्तिपूर्ण विश्व स्थापन की दिशा में सहभागिता का वातावरण बनाना।
6) युवा मन में शान्ति का बीजारोपण करना।
7) सच्ची शान्ति प्राप्ति की दिशा में मार्गप्रदर्शना करना।
8) सच्ची शान्ति की अनुभूति कराना।
9) शान्ति की शक्ति को कलात्मक रूप में व्यक्त करना।

सरकारी सहयोग:

- अगर कार्यक्रम का स्थान नगरपालिका से सम्बन्धित हो तो नि:शुल्क उपयोग के लिए अनुमति लेना (पत्र संलग्न-)
- कार्यक्रम के विज्ञापन / प्रचार के लिए शहर में होर्डिंग्स लगाने की अनुमति लेना (पत्र संलग्न-)
- कार्यक्रम के उद्घाटन के लिए सरकारी अधिकारियों को निमंत्रण दे सकते हैं।

उद्घाटन के लिए महानुभाव:

- मुख्यमंत्री
- नगराध्यक्ष/म्यूनिसिपल कमिश्नर
- जिला कलेक्टर
- विभिन्न धर्मों के धर्माचार्य
- प्रख्यात व्यवसायी
- अवार्ड विनर
- स्थानीय सांसद / विधायक/मंत्री
- NSS, NCC, नेहरू युवा केन्द्र के कोर्डिनेटर
- पुलिस कमिश्नर / आई.जी.
- सुप्रसिद्ध कलाकार
- प्रसिद्ध समाजसेवी

उद्घाटन कार्यक्रम (संलग्न अनुसूची-2)

अन्य ध्यान रखने योग्य बातें:

- कार्यक्रम स्थल पर पानी या टोली आदि की व्यवस्था कर सकते हैं।
- कार्यक्रम के दौरान प्रदर्शनी आदि रखी जा सकती है ताकि चित्र बनाने के बाद उन्हें प्रदर्शनी पर समझाया जा सके।
- प्रत्येक प्रतिभागी को शान्ति के स्लोगन, वरदान, शान्ति का सन्देश देता हुआ छोटा-सा कार्ड या शान्ति का बेज़ दे सकते हैं।
- कार्यक्रम स्थल पर फरिश्तों की ड्रेस पहने हुए भाई-बहनें अगर दृष्टि और स्लोगन दें तो अच्छा रहेगा।
- कार्यक्रम के पश्चात् त्रि-दिवसीय शान्ति अनुभूति शिविर का आयोजन किया जा सकता है।
- शांति के संबंध में कोई झांकी आदि भी रखी जा सकती है।
- मूल्य आधारित गेम्स भी रखे जा सकते हैं।
- फोटोग्राफी एवं वीडियोग्राफी जरूर करवाएं।
- प्रत्येक प्रतिभागी को कैनवास में निर्धारित जगह पर ही रचना करनी है।
- चित्रित कैनवास की मालिकी आयोजक की रहेगी।
- सम्पूर्ण महोत्सव के दौरान शांति के गीत बजाये जाएं।
- कार्यक्रम स्थल पर शान्ति अनुभूति कक्ष बनाया जा सकता है।
- संस्था का कोई वीडियो भी दिखाया जा सकता है।
- शान्ति की दुनिया स्वर्ग का मॉडल या चित्र बनाकर लगाया जा सकता है।
- प्रतिभागियों से संकल्प पत्र भरवाया जा सकता है।
  संकल्प – **हम अपने विचार, बोल और व्यवहार में अधिक से अधिक शान्ति का आचरण करेंगे, उसके लिए प्रतिदिन कुछ समय निकाल शान्ति के सागर परमात्मा से संबंध जोड़ शान्ति की शक्ति स्वयं में भरेंगे और विश्व में फैलायेंगे।**
- कार्यक्रम स्थल पर शांति कुण्ड बनाया जा सकता है। कार्यक्रम में भाग लेने वाले हरेक को कहा जाये कि वे पेन्टिंग पूरी करने के बाद अपने जीवन में अशान्ति उत्पन्न करने वाली कोई भी बात /आदत / बुराई / संस्कार को एक कागज़ पर लिखकर इस कुण्ड में अर्पित करके जायें।

कुछ प्रश्न जिन्हें कार्यक्रम स्थल पर बोर्ड पर लिखकर लगाया जा सकता है:

1. सच्ची शान्ति क्या है?
2. शान्ति का दाता कौन है?
3. विश्व में शान्ति कब थी, कैसे थी और किस प्रकार से स्थापन होती है?
4. विश्व में शान्ति स्थापन करने में हमारा क्या योगदान हो सकता है?

प्रचार के तरीके एवं माध्यम:

पेम्पलेट	पोस्टर	निमंत्रण कार्ड
ई-मेल	Touch the Light के विद्यालयों में	SMS
कॉलेजों में	Lions, Rotary, Lio, Lioness आदि क्लबों में	

टीवी चैनल में चलती हुई पट्टी न्यूज पेपर, टीवी चैनल वालों को पहले से प्रेस नोट दें

युवा प्रभाग के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में आयोजित

अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव

(All India Peace Painting Festival)

'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार'

हार्दिक निमंत्रण

युवा प्रभाग मना रहा है रजत जयंती वर्ष

ब्रह्माकुमारीज़ की भगिनी संस्था RERF का युवा प्रभाग सन् 1985 से युवाओं के माध्यम से समाज को अपनी सेवाएं देता रहा है। वर्ष 2009-10 में प्रभाग अपना रजत जयंती वर्ष मना रहा है। वर्ष के दौरान अनेकानेक कार्यक्रम देशभर में आयोजित किये जा रहे हैं। इसकी शुरूआत सद्भावना दौड़ के द्वारा हुई जो देश भर में एक ही दिन एक ही समय पर आयोजित की गई। इसी शृंखला में आगे बढ़ते हुए अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव का आयोजन पूरे भारत भर में किया जा रहा है।

शान्ति की आवश्यकता

शान्ति सबसे बड़ी संपत्ति है। टुकड़ों में बँटे संसार को आज शान्ति की महती आवश्यकता है। एक ऐसे विश्व का कल्पना चित्र हरेक मन में उभरता है जहाँ प्रत्येक व्यक्ति शान्तिपूर्ण जीवन जीता है। मानव के लिए भोजन, पानी, हवा जितना जरूरी है उतनी ही जरूरी शान्ति है। शान्ति को पाने के लिए हर मानव प्रयत्नशील है। स्व की शान्ति ही विश्व शान्ति का आधार है। शान्ति मानव मन में उपजती है और विश्व में फैल जाती है। शान्ति से भरपूर मन आसपास के वातावरण में शान्ति व खुशहाली की तरंगे फैलाता है। शान्ति के अंकुरण मानव के अंत:करण में छिपे हैं। आवश्यकता है उन्हें पल्लवित और पोषित करने की जिसका सशक्त माध्यम है राजयोग।

प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय शान्ति का आलय (मन्दिर) है। यहाँ आने वाले प्रतिदिन कुछ मिनट राजयोग के अभ्यास से मानसिक शान्ति का अनुभव करते हैं और अपने दैनिक कार्य-व्यवहार में उसे प्रयोग में लाते हैं। यह विद्यालय मानता है कि शान्ति प्रत्येक मनुष्यात्मा का निजी गुण है, असली स्वभाव है और इसे अनुभव करना अति सरल है। शान्ति के स्रोत परमपिता के ज्योतिस्वरूप पर जब हम मन-बुद्धि को एकाग्र करते हैं तो शान्ति से भरपूर हो जाते हैं।

रचे शान्ति का संसार, बनकर चित्रकार

एक शान्तिपूर्ण जीवन और शांतिपूर्ण विश्व हर मानव की आंतरिक चाह है। इसी चाहना को एक दिशा देने के लिए इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। हम सबकी कल्पनाओं में बसा है एक ऐसे विश्व का मानचित्र जिसमें चहुँ ओर शान्ति का वातावरण है। आइये, कल्पना से निकालकर शान्ति के इस चित्र को रंग और तूलिका की सहायता से कैनवास पर प्रगट कर दें, यह संदेश देने के लिए कि हमारी सोच में शान्ति है, भावनाओं में शान्ति है और हम सभी एक शान्तिपूर्ण समाज, एक शान्तिपूर्ण विश्व बनाने की दिशा में प्रयत्नशील हैं।

''शान्ति का चित्र सजाएँ, शान्ति की खुशबू फैलायें
शान्ति सागर की स्मृति में, शान्ति महोत्सव मनाएँ''

आपको भी शान्ति की बात, रंगों के साथ करने के लिए हार्दिक ईश्वरीय निमंत्रण है।

तिथि:- 12/18/26 जनवरी, 2010 समय:- प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक

स्थान:- ____

आमंत्रित महानुभाव : ____

विशेष आकर्षण : ____

आयोजक:- युवा प्रभाग, RERF एवं
प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय
स्थानीय सेवाकेन्द्र का पता डाले

.. ..

रजिस्ट्रेशन फार्म

पूरा नाम:-________________________उम्र:-________संस्था : ____________

पूरा पता:-____

संपर्क :- फोन:-________________ मोबाइल:-__________

रजिस्ट्रेशन के लिए उपरोक्त स्थान पर संपर्क करें:-

सूचनाएँ :

1) कार्यक्रम में शामिल होने के लिए आवश्यक सामग्री जैसे, रंग, पैन, पैंसिल, स्केल साथ में लायें।
2) यह कार्यक्रम विशेषकर युवाओं के लिए है लेकिन इच्छुक व्यक्ति चाहे किसी भी आयु वर्ग के हों, इसमें भाग ले सकते हैं।
3) प्रत्येक प्रतिभागी को कैनवास में अपने लिए निर्धारित जगह में ही रचना करनी है।
4) चित्रित कैनवास की मालिकी आयोजक की रहेगी।

ब्रह्मा कुमारीज़-युवा प्रभाग के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में

अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव

(All India Peace Painting Festival)

'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार'

उद्घाटन समारोह

दिनांक: .. . .-01-2010 समय: प्रात: 10 बजे स्थान: ....

		मिनट
परमात्म स्मृति	: शान्ति का जब आएगा सवेरा. .. .	3
फूलों से स्वागत	: बी.के. . . . . .. एवं बी.के. . . .	2
स्वागत उद्बोधन	: बी.के.	3
प्रोजेक्ट के बारे में	: बी.के.	3
दीप प्रज्वलन	: आमन्त्रित मेहमानों द्वारा	3
अतिथि विशेष	: भ्राता	5
अतिथि विशेष	: भ्राता	5
नृत्य	: बी.के.	
प्रेरणाएं	: परम आदरणीय	
शुभ कामनाएं	: भ्राता	3
आशीर्वचन	: परम आदरणीय	
सौगात विधि	:	
आभार विधि	: भ्राता	3
परमात्म स्मृति	: स्वर्णिम भारत बनाएँगे हम, विश्व में शान्ति फैलाएँगे हम	3

मंच संचालन : बी.के. ....

- प्रेस नोट के लिए पत्र-1 –

(यह पत्र स्थानीय सेवाकेंद्र के लेटर हेड पर आवश्यक स्थानों पर परिवर्तन कर प्रिन्ट करना जी)

———————————————————————————————————-

प्रति, दिनांक:-

मा.सम्पादक महोदय जी

दैनिक...... ....,

(समाचार पत्र का नाम)

शहर:-

विषय:- **'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव'** - प्रेस नोट

'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार'

सम्मानीय संपादक जी,

सस्नेह ओम् शान्ति।

आप अन्तर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्माकुमारीज़ की गतिविधियों से सुपरिचित हैं ही, ब्रह्माकुमारीज़ का युवा प्रभाग समूचे भारतवर्ष में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है जिससे युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सद्भावना तथा अन्य मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। वर्ष 2009-10 में युवा प्रभाग अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस उपलक्ष्य में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरूआत सद्भावना दौड़ के द्वारा हुई जो देश भर में एक ही दिन एक ही समय पर आयोजित की गई। इसी श्रृंखला में आगे बढ़ते हुए 'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार' शीर्षक के अंतर्गत 'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव' का आयोजन पूरे देश भर में किया जा रहा है। अपने शहर .... में इसका आयोजन ....जनवरी, 2010 को ....स्थान पर करना सुनिश्चित किया गया है। महोत्सव के अंतर्गत एक बहुत बड़े (......फीट लम्बे ....फीट चौड़े) कैनवास पर शांतिपूर्ण जीवन एवं शांतिपूर्ण विश्व की चाह रखने वाले हरेक व्यक्ति को अपनी कलाकृति (चित्र या अन्य) द्वारा शांति का संदेश देने का अवसर दिया जायेगा।

शान्ति मानव की अनमोल निधि है। आज प्रत्येक मानव, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शान्ति की आवश्यकता को गहराई से अनुभव करता है। एक शान्तिपूर्ण जीवन और शान्तिपूर्ण विश्व हर मानव की आंतरिक चाह है। संसार की सर्व समस्याओं का समाधान शान्ति में है। भौतिक साधनों से शान्ति प्राप्त नहीं की जा सकती, केवल आध्यात्मिकता द्वारा ही शान्ति की स्थापना हो सकती है। समाज में शान्ति की लहर फैलाने, शान्ति की श्रेष्ठ भावना का प्रचार-प्रसार करने की दिशा में इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

हमारा आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप इस महोत्सव को अपने लोकप्रिय समाचारपत्र में प्रसिद्ध कर शांति स्थापन करने की दिशा में अपना अमूल्य सहयोग दीजिए। हमें आशा ही नहीं, पूर्ण विश्वास है कि आप हमारे इस अनुरोध को स्वीकार कर इस विषय में जागृति पैदा करेंगे। आपने पहले भी हमारे हर कार्यक्रम में यथासंभव सहयोग देकर इसे सफल बनाया है। इस तरह के कार्यक्रमों की सफलता के लिए लोगों को जानकारी होना बहुत ज़रूरी है जिसके लिए आपका समाचारपत्र एक सशक्त माध्यम बन सकता है।

ईश्वरीय सेवा में,

(ब्रह्माकुमारी बहन)

सेवाकेन्द्र:-

(यह प्रेस नोट स्थानीय सेवाकेंद्र के लेटरहेड पर आवश्यक स्थानों पर परिवर्तन कर प्रिन्ट करना जी)

(आवश्यक सूचना - यह प्रेस नोट कार्यक्रम से एक मास पूर्व देना है)

प्रेस नोट-1

'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव' का भव्य आयोजन

'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार'

शहर का नाम (तिथि)। प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं उनके युवा प्रभाग द्वारा 'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार' शीर्षक के अंतर्गत 'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव' का विशेष आयोजन अपने शहर में ....जनवरी, 2010 को किया जा रहा है। महोत्सव के अंतर्गत एक बहुत बड़े (.........फीट लम्बे ....फीट चौड़े) कैनवास पर शांतिपूर्ण जीवन एवं शांतिपूर्ण विश्व की चाह रखने वाले हरेक व्यक्ति को अपनी कलाकृति (चित्र या अन्य) द्वारा शांति का संदेश देने का अवसर दिया जायेगा।

इस महोत्सव का लक्ष्य समाज में शान्ति की लहर फैलाना, शान्ति की श्रेष्ठ भावना का प्रचार-प्रसार करना है। ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की स्थानीय सेवाकेन्द्र की संचालिका ब्रह्मा कुमारी .... बहन जी ने महोत्सव के आयोजन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि यह महोत्सव शहर में दिनांक ....जनवरी को मनाया जायेगा। महोत्सव का शुभारम्भ .... द्वारा शहर के ....स्थान पर सुबह .... बजे होगा तथा समापन .... बजे होगा। शहर की युवा संस्थाओं जैसे कि NSS, NCC, NYK, शहर के क्लब, विद्यालय, कॉलेज, कम्पनी आदि सभी को इस महोत्सव में भाग लेने के लिए हार्दिक निमंत्रण है। किसी भी आयु वर्ग का व्यक्ति इस महोत्सव में भाग ले सकता है। अन्य जानकारी हेतु ब्रह्मा कुमारीज़ स्थानीय सेवाकेन्द्र से संपर्क करें। महोत्सव का मुख्य आकर्षण .... रहेगा।

(ब्रह्मा कुमारी बहन)
सेवाकेंद्र संचालिका

अन्य किसी विशेष जानकारी के लिए संपर्क करें :
सेवाकेन्द्र पता –

फोन नं.

(यह प्रेसनोट स्थानीय सेवाकेंद्र के लेटरहेड पर आवश्यक स्थानों पर परिवर्तन कर प्रिन्ट करना जी)

(यह प्रेस नोट जिस दिन कार्यक्रम होने वाला है उससे एक दिन पहले देना है)

प्रेस नोट-2

आज शहर में ब्रह्मा कुमारीज़-युवा प्रभाग द्वारा

'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव' का भव्य आयोजन

'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार'

शहर का नाम (तिथि)। शहर को शान्ति के रंग में रंगने हेतु प्रजापिता ब्रह्मा कुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय एवं उनके युवा प्रभाग द्वारा 'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार' शीर्षक के अंतर्गत 'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव' का भव्य आयोजन आज होने जा रहा है। कार्यक्रम का शुभारंभ सुबह ....बजे होगा। उत्सव के अंतर्गत एक बहुत बड़े (......फीट लम्बे ....फीट चौड़े) कैनवास पर शांतिपूर्ण जीवन एवं शांतिपूर्ण विश्व की चाह रखने वाले हरेक व्यक्ति को अपनी कलाकृति (चित्र या अन्य) द्वारा शांति का संदेश देने का अवसर दिया जायेगा।

युवा प्रभाग के रजत जयंती वर्ष के उपलक्ष्य में समूचे भारतवर्ष में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन हो रहा है, **'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव'** इन्हीं कार्यक्रमों का एक हिस्सा है। इस महोत्सव का शुभारम्भ____________________ (आमंत्रित व्यक्तियों के नाम तथा सेवाकेंद्र संचालिका का नाम) के करकमलों द्वारा किया जायेगा। ब्रह्मा कुमारीज़ के युवा प्रभाग का उच्च संकल्प है कि समाज में विशेषकर युवाओं में शान्ति की लहर फैलाई जाये तथा शान्ति की श्रेष्ठ भावना का प्रचार-प्रसार किया जाये जिसे पूरा करने के लिए शहर के .... व्यक्तियों तथा ....संस्थाओं ने अपना पंजीकरण कराया है। ये सब महोत्सव में भाग लेकर शांतिपूर्ण विश्व बनाने के अपने दृढ़ संकल्प को पूरा करेंगे। महोत्सव द्वारा अधिक से अधिक शान्ति का संदेश जन-जन तक पहुँचे, इस उद्देश्य हेतु ब्रह्मा कुमारीज़ द्वारा शहर में विभिन्न जगहों पर पेम्पलेट, पोस्टर, होर्डिंग्स लगाए गये हैं। वैयक्तिक शान्ति से वैश्विक शान्ति स्थापन की दिशा में यह एक महत्त्वपूर्ण पहल होगी। भाग लेने वाले सभी को समय पर पहुँचने के लिए ब्रह्मा कुमारीज़ द्वारा विनम्र अनुरोध है। कार्यक्रम का विशेष आकर्षण ....रहेगा।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें :

सेवाकेन्द्र का पता : (ब्रह्मा कुमारी बहन)

फोन नं. : सेवाकेंद्र संचालिका

(यह प्रेस नोट स्थानीय सेवाकेंद्र के लेटरहेड पर आवश्यक स्थानों पर परिवर्तन कर प्रिन्ट करना जी)

(यह प्रेस नोट उत्सव पूरा होने पर उसी दिन देना है)

प्रेस नोट-3

‘अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव’ द्वारा सबने भरे शान्ति के रंग जीवन में
शहर के हज़ारों शान्तिदूत युवाओं ने बिखेरे शान्ति के इंद्रधनुषी रंग

शहर का नाम (तिथि)। ब्रह्मा कुमारीज़ युवा प्रभाग द्वारा शान्ति की लहर फैलाने हेतु ‘शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार’ शीर्षक के अंतर्गत ‘अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव’ का भव्य आयोजन आज सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। शान्ति के प्रतीक सफेद रंग पर हज़ारों शान्तिदूत युवाओं ने अपनी श्रेष्ठ भावनाओं के रंग बिखेरे।

ब्रह्मा कुमारीज़ का युवा प्रभाग समूचे भारतवर्ष में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है जिससे युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सद्‌भावना तथा अन्य मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। वर्ष 2009-10 में युवा प्रभाग अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस उपलक्ष्य में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। ‘अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव’ इन्हीं कार्यक्रमों का एक हिस्सा है। आज शहर के भ्राता/भगिनी ....के करकमलों द्वारा उत्सव का भव्य शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम से पूर्व सभी ने ....। शहर के कुल .... युवा भाई-बहनों ने महोत्सव में भाग लेकर शान्तिपूर्ण जीवन और शान्तिपूर्ण विश्व के निर्माण हेतु अपने शुभ संकल्पों को अपनी कला के माध्यम से कैनवास पर उतारा। महोत्सव के दौरान .... (यहाँ पर महोत्सव के समय का समाचार लिखें)। महोत्सव का विशेष आकर्षण ....। आध्यात्मिक चित्र प्रदर्शनी द्वारा सभी को जानकारी दी गई कि विश्व में शान्ति कब थी और कैसे स्थापन हो सकती है। कार्यक्रम के अंत में सभी को शान्ति की अनुभूति कराई गई। मुख्य अतिथि भ्राता/भगिनी .... ने अपनी शुभ कामनाएँ देते हुए भाग लेने वाले भाई-बहनों की प्रशंसा की तो ब्रह्मा कुमारीज़ के विश्व शांति स्थापन करने के प्रयास को सराहा। ब्रह्मा कुमारी ....बहन ने युवाओं को संबोधित करते हुए कहा कि युवा अवस्था में कुछ नया, क्रांतिकारी कार्य करने की तमन्ना स्वाभाविक है। युवाओं ने हमेशा ही समाज को एक नई दिशा दिखाई है। आज समाज को सबसे बड़ी आवश्यकता शान्ति की शक्ति की है। केवल आध्यात्मिकता की राह पर चलकर ही समाज में शान्ति की क्रांति को लाया जा सकता है। उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे आध्यात्मिक ज्ञान और राजयोग के अभ्यास द्वारा शान्ति की शक्ति को अपने दैनिक जीवन में अनुभव करें। उल्लेखनीय है कि ब्रह्मा कुमारीज़ के इस शान्ति महोत्सव में शहर के सभी वर्ग, धर्म के युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता दर्ज़ की ।

(ब्रह्मा कुमारी बहन)
सेवाकेंद्र संचालिका

अनुसूची-7

पुलिस परमिशन के लिए पत्र
(सेवाकेन्द्र के लेटर पेड पर)

प्रति, दिनांक:-
पुलिस कमिश्नर,
एरिया:-
शहर:-

विषय:- **'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव' - शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार**

सम्मानीय कमिश्नर जी,
सस्नेह ओम् शान्ति।

आप अन्तर्राष्ट्रीय आाध्यात्मिक संस्थान ब्रह्मा कुमारीज़ की गतिविधियों से सुपरिचित हैं ही, ब्रह्मा कुमारीज़ का युवा प्रभाग समूचे भारतवर्ष में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है जिससे युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सद्भावना तथा अन्य मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। वर्ष 2009-10 में युवा प्रभाग अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस उपलक्ष्य में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। शहर में इसका आयोजन ....जनवरी, 2010 को करना सुनिश्चित किया गया है। महोत्सव के अंतर्गत एक बहुत बड़े (........फीट लम्बे ....फीट चौड़े) कैनवास पर शांतिपूर्ण जीवन एवं शांतिपूर्ण विश्व की चाह रखने वाले हरेक व्यक्ति को अपनी कलाकृति (चित्र या अन्य) द्वारा शांति का संदेश देने का अवसर दिया जायेगा।

शान्ति मानव की अनमोल निधि है। आज प्रत्येक मानव, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शान्ति की आवश्यकता को गहराई से अनुभव करता है। एक शान्तिपूर्ण जीवन और शान्तिपूर्ण विश्व हर मानव की आंतरिक चाह है। संसार की सर्व समस्याओं का समाधान शान्ति में है। भौतिक साधनों से शान्ति प्राप्त नहीं की जा सकती, केवल आध्यात्मिकता द्वारा ही शान्ति की स्थापना हो सकती है। समाज में शान्ति की लहर फैलाने, शान्ति की श्रेष्ठ भावना का प्रचार-प्रसार करने की दिशा में इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

आपसे नम्र निवेदन है कि इस अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव कार्यक्रम के लिए अपनी अनुमति देकर ईश्वरीय सेवा के कार्य में सहयोग देना जी। समय एवं परिस्थितियों के अनुरूप आवश्यक सुरक्षा भी प्रदान कराना जी।

ईश्वरीय सेवा में,

(ब्रह्मा कुमारी बहन)
सेवाकेन्द्र:-

अनुसूची-8

म्यूनिसीपल कमिश्नर के लिए पत्र (सेवाकेन्द्र के लेटर पेड पर)

प्रति, दिनांक:-

म्यूनिसीपल कमिश्नर,

एरिया:-

शहर:-

विषय:- **'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव'**

'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार'

सम्मानीय कमिश्नर जी,

सस्नेह ओम् शान्ति।

आप अन्तर्राष्ट्रीय आध्यात्मिक संस्थान ब्रह्मा कुमारीज़ की गतिविधियों से सुपरिचित हैं ही, ब्रह्मा कुमारीज़ का युवा प्रभाग समूचे भारतवर्ष में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है जिससे युवाओं में राष्ट्रीय एकता, सद्भावना तथा अन्य मूल्यों को बढ़ावा मिलता है। वर्ष 2009-10 में युवा प्रभाग अपनी स्थापना का रजत जयंती वर्ष मना रहा है। इस उपलक्ष्य में अनेकानेक कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। इसकी शुरूआत सद्भावना दौड़ के द्वारा हुई जो देश भर में एक ही दिन एक ही समय पर आयोजित की गई। इसी शृंखला में आगे बढ़ते हुए 'शान्ति का संसार, इन्द्रधनुषी बहार' शीर्षक के अंतर्गत 'अखिल भारतीय शान्ति चित्र महोत्सव' का आयोजन पूरे देश भर में किया जा रहा है। अपने शहर .... में इसका आयोजन ....जनवरी, 2010 को करना सुनिश्चित किया गया है।

शान्ति मानव की अनमोल निधि है। आज प्रत्येक मानव, जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में शान्ति की आवश्यकता को गहराई से अनुभव करता है। एक शान्तिपूर्ण जीवन और शान्तिपूर्ण विश्व हर मानव की आंतरिक चाह है। संसार की सर्व समस्याओं का समाधान शान्ति में है। भौतिक साधनों से शान्ति प्राप्त नहीं की जा सकती, केवल आध्यात्मिकता द्वारा ही शान्ति की स्थापना हो सकती है। समाज में शान्ति की लहर फैलाने, शान्ति की श्रेष्ठ भावना का प्रचार-प्रसार करने की दिशा में इस महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है।

महोत्सव की भव्यता और भाग लेने वालों की संख्या को देखते हुए हम इस महोत्सव को शहर के ....स्थान पर करना चाहते हैं जिसके नि:शुल्क उपयोग के लिए आपकी अनुमति चाहिए। आपसे विनम्र अनुरोध है कि आप इस संबंध में अपनी अनुमति देकर ईश्वरीय सेवा के कार्य में अपना सहयोग देना जी।

महोत्सव के प्रचार-प्रसार के लिए म्यूनिसिपलिटी के होर्डिंग्स कुछ दिनों के लिए नि:शुल्क उपयोग की अनुमति देकर ईश्वरीय सेवा के कार्य में अपना सहयोग देना जी।

ईश्वरीय सेवा में,

(ब्रह्मा कुमारी बहन)

सेवाकेन्द्र:-